यूँही होता चला आ रहा है... - सुकन्या दत्ता

यूँ ही होता चला आ रहा है...

कभी हम यूँ ही रूठते रहे
तो कभी वह मनाते रह गए

यूँ ही होता चला आ रहा है...

कभी बारिश की उम्मीद करते रहे
तो कभी बूंदों को कोसते रेह गए

यूँ ही होता चला आ रहा है...

कभी मुस्कान को छुपाते रहे
तो कभी आंसुओं की वजह ढूंढते रह गए

यूँ ही होता चला आ रहा है...

कभी मिलने से इनकार करते रहे
तो कभी बिछड़ने के ग़म से दंग रह गए

यूँ ही होता चला आ रहा है...

कभी सच्चाई का सामना करते रहे
तो कभी ख्वाबों की दुनिया सजाते रह गए

यूँ ही होता चला आ रहा है...

कभी हम इंतज़ार करते रहे
तो कभी वह आते आते रह गए

यूँ ही होता चला आ रहा है...